पाठ–14

लकड़िहारा

कमल गरीब नेना छल। ओ सभ दिन जंगलसँ जारनि काटि अनैत छल। ओकरा बेचि, भोजनक ओरिआओन करैत छल। एक दिन कमल जंगलमे जारनि काटि रहल छल। ओकर हाथसँ कुड़हरि छूटि कय पोखरिमे खसि पड़लै। ओ पानीमे डुबकी लगा खूब हथोड़िया देलक। मुदा ओकरा कुड़हरि नहि भेटलै।

कमल पोखरिक महार पर उदास बैसल छल। तखने एकटा बालक आयल। ओ वन देवता छल। ओ कमलसँ उदासीक कारण पुछलनि।

वनदेवता पानिमे डुबकी मारि पहिने सोनाक कुड़हरि बहार कयलनि। ई देखि कमल ओ कुड़हरि नहि लेलक। पुनः वन देवता डुबकी लगा चानीक कुड़हरि बहार कयलनि। कमल ओहो नहि लेलक।

कमल बाजल–हमर कुड़हरि लोहाक छल। हम बहुत गरीब छी। हमरा लग सोना–चानीक कुड़हरि कतय सँ आओत। ताहि पर वनदेवता फेर डुबकी मारि एकटा लोहाक कुड़हरि बहार कयलनि।

ई देखि कमल खुशीसँ नाचि उठल। अपन कुड़हरि लय लेलक।

कमलक इमानदारी पर प्रसन्न भय कय वनदेवता ओकरा ओहो दुनू कुड़हरि दय देलथिन। ओकर गरीबी दूर भय गेलै। ओ सभ हँसी-खुशी रहय लागल।

अभ्यास

बाजि कय पढ़ू आ लिखू

कमल गरीब नेना छल।

....

कमल

....

ओकर हाथसँ कुड़हरि खसि पड़लै।

....

ओकर

हम बहुत गरीब छी

....

....

अपन कुड़हरि लय लेलक।

....

....

ओकर गरीबी दूर भय गेलै।

....

....

अभ्यास

1. बीचमे लिखल अक्षरकेँ समान अक्षरसँ मिलाउ